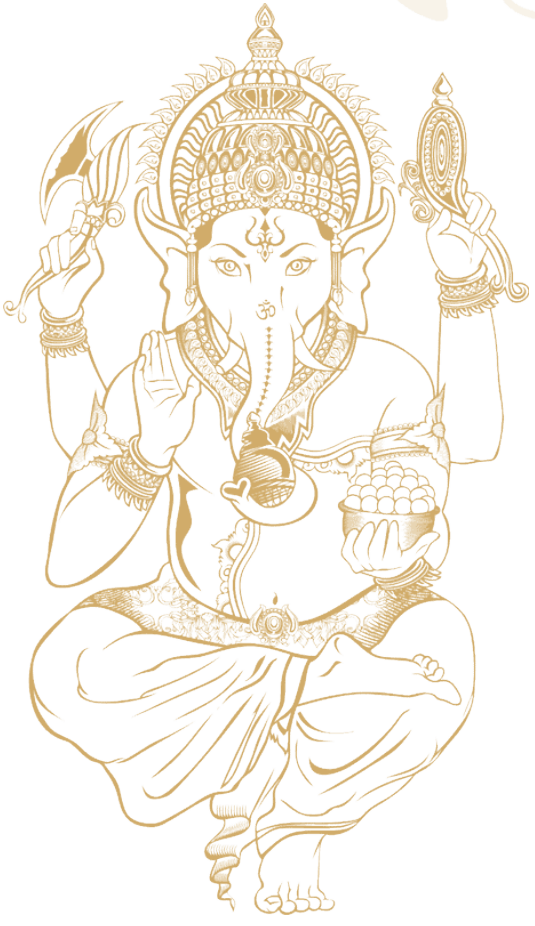

Pavan

Ms. Simple

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119392302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/06/1990	जन्म तिथि	20/01/1998
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 20:05:00	जन्म समय	18:00:00 घंटे
घटी 37:18:01	जन्म समय(घटी)	27:51:47 घटी
India	देश	India
Faizabad	स्थान	Bihar
26:46:00 उत्तर	अक्षांश	26:38:00 उत्तर
82:08:00 पूर्व	रेखांश	84:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:01:28	स्थानिक संस्कार	00:09:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:09:47	सूर्योदय	06:39:58
18:58:33	सूर्यास्त	17:23:00
23:43:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:43

विंशोत्तरी
केतु 6वर्ष 0मा 28दि

चन्द्र	25/07/2022
	25/07/2032
चन्द्र	26/05/2023
मंगल	25/12/2023
राहु	25/06/2025
गुरु	25/10/2026
शनि	25/05/2028
बुध	24/10/2029
केतु	25/05/2030
शुक्र	24/01/2032
सूर्य	25/07/2032

ग्रह	अंश	राशि
लग्न	28:18:08	धनु
सूर्य	11:00:21	मिथु
चंद्र	01:45:13	सिंह
मंगल	25:13:13	मीन
बुध	03:34:35	मिथु
गुरु	24:35:54	मिथु
शुक्र व	08:09:53	वृष
धनु व शनि	29:35:50	धनु
राहु	13:54:14	मक
केतु	13:54:14	कर्क
हर्ष	13:59:40	धनु व
नेप	19:42:05	धनु व
प्लूटो	21:28:31	तुला व

ग्रह	अंश	राशि
लग्न	15:12:02	कर्क
सूर्य	06:24:52	मक
चंद्र	03:09:13	तुला
मंगल	02:19:38	कुंभ
बुध	16:37:38	धनु
गुरु	02:41:32	कुंभ
शुक्र व	29:50:59	धनु
धनु व शनि	20:48:36	मीन
राहु	17:30:13	सिंह
केतु	17:30:13	कुंभ
हर्ष	14:23:23	मक
नेप	05:50:44	मक
प्लूटो	13:32:12	वृश्चि

विंशोत्तरी
मंगल 1वर्ष 10मा 4दि

गुरु	24/11/2017
	24/11/2033
गुरु	13/01/2020
शनि	26/07/2022
बुध	31/10/2024
केतु	07/10/2025
शुक्र	07/06/2028
सूर्य	26/03/2029
चन्द्र	26/07/2030
मंगल	02/07/2031
राहु	24/11/2033

लग्न-चलित

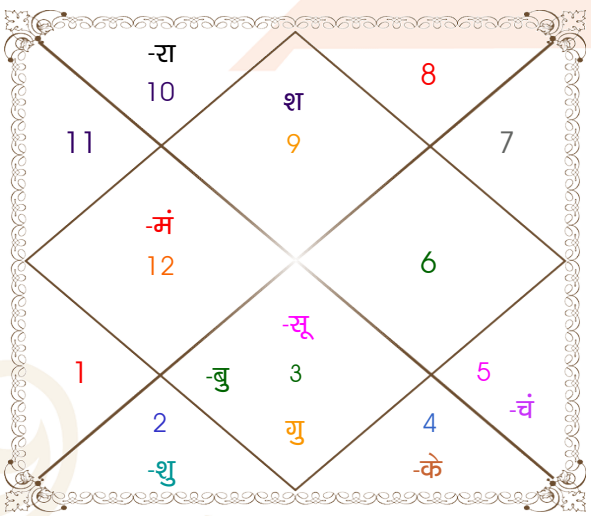

लग्न-चलित

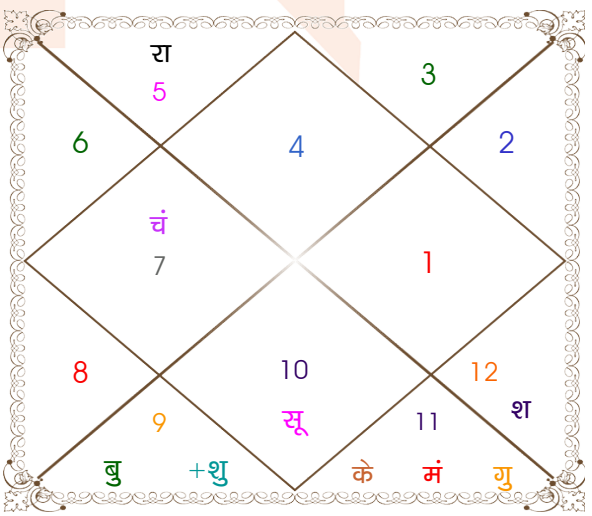

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

Pavan का वर्ग मूषक है तथा डेण्ै पउचसम का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Pavan और डेण्ै पउचसम का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Pavan मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

डेण्ै पउचसम मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्ै पउचसम कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डेण्ै पउचसम कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Pavan तथा डेण्पै पउचसम में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।